

# ਧੀਅੰਸਾ ਮਸੀ ਕ੍ਰਿਸ ਦੀ ਟਾਂਗੈ





# ਧੀਸ਼ੁ ਮਸੀ ਕ੍ਰੂਸ ਦੀ ਟਾਂਗੌ

bangani  
uttarkashi, uttrakhand, india



For permission to reuse, contact the copyright holder.

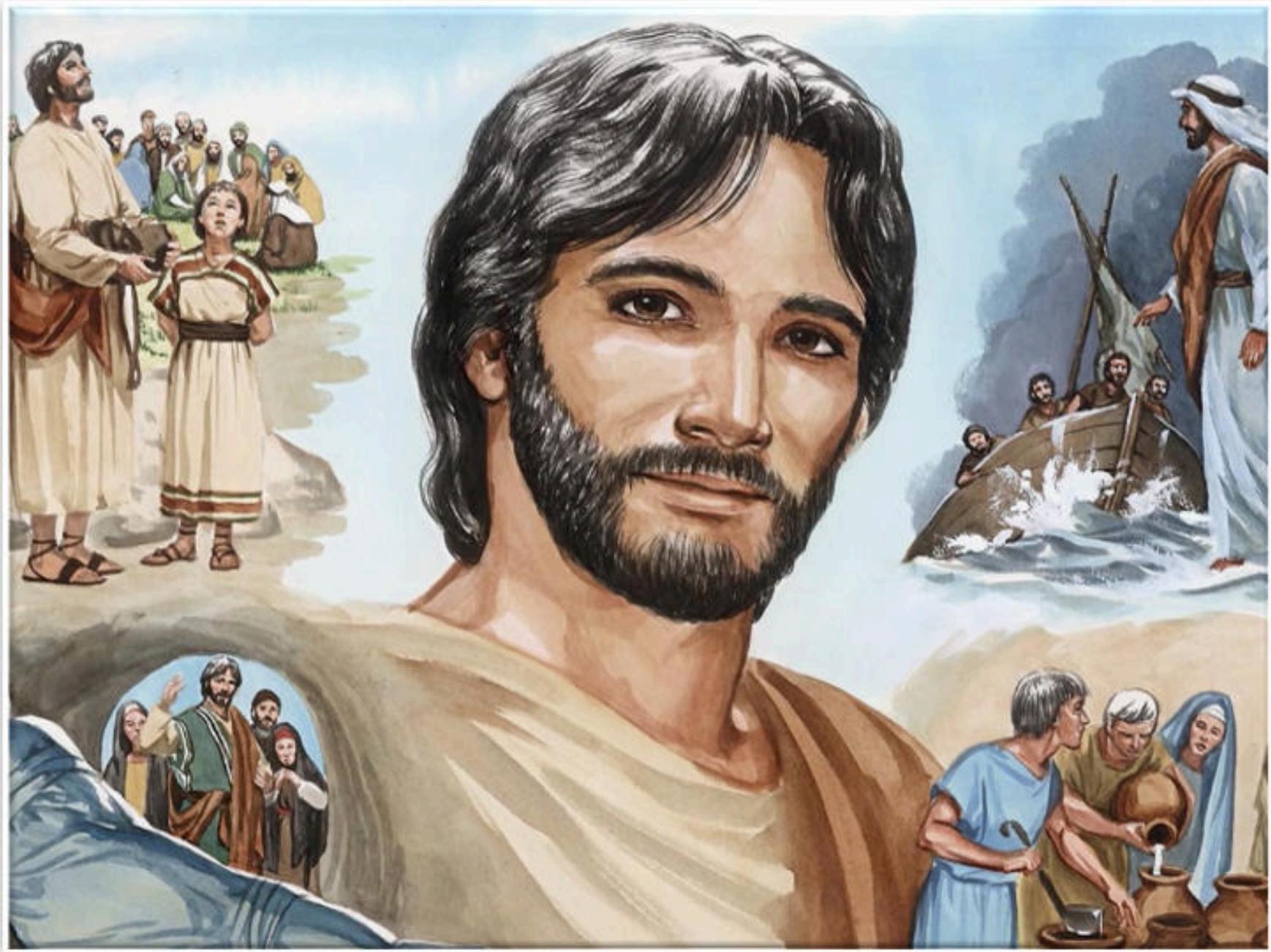
Bangani Language Book  
Red level book

प्रकाशण:-

NLCI  
बंगाणी मसी समिति समू

## दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें यीशु मसीह को किस प्रकार कूस पर चढ़ाया, उसके बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



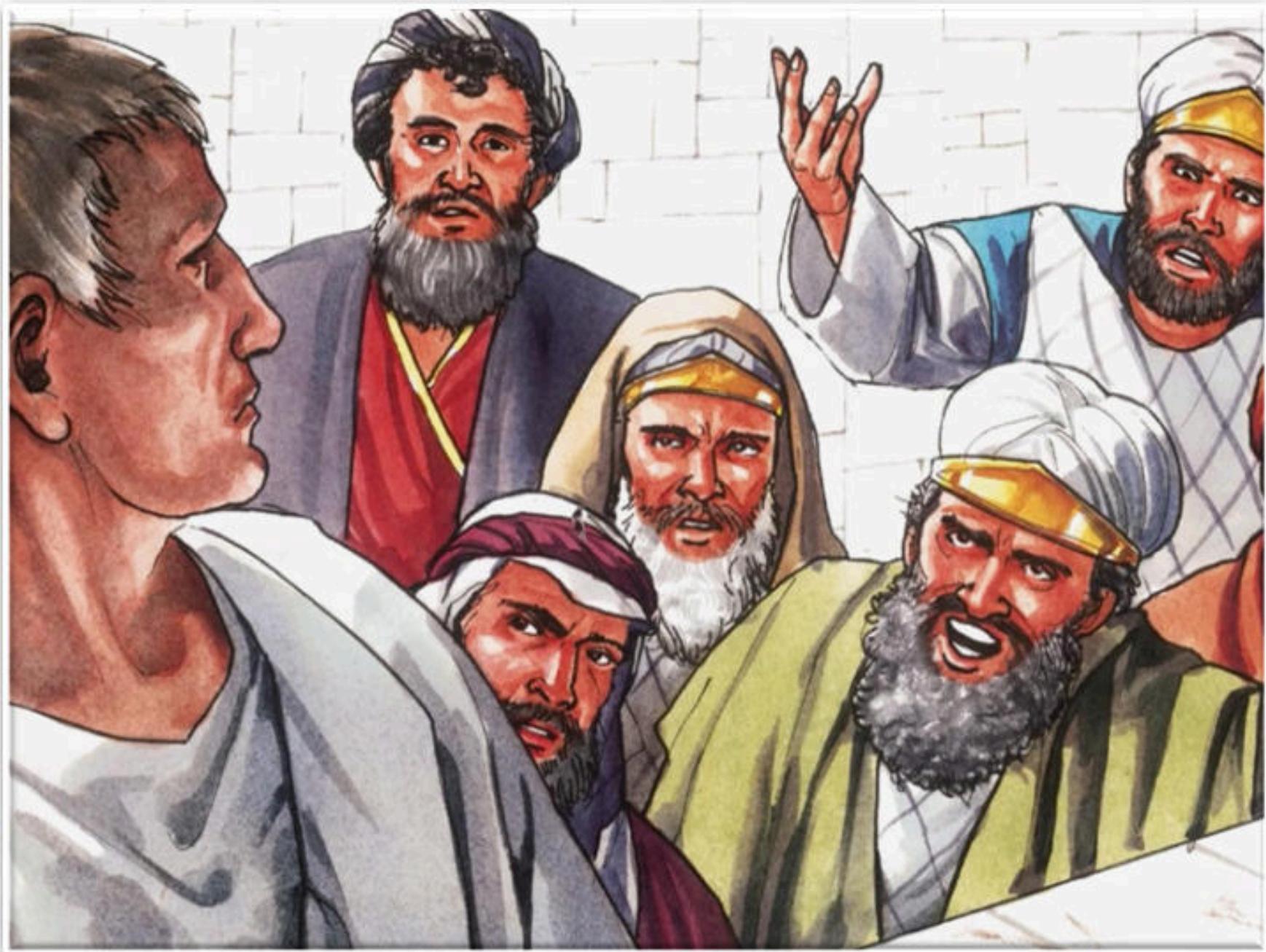
यीशु परमेश्वर रै बारे दि बौरि बुशै शिका  
थौ। यीशुइ लोग ठीक कियै, औज़ि  
काफी लोग यीशु री बुशै शुणै थै। एज़ी  
बौज़ै कौइ याजक औज़ि नियम कानुण  
शिकाणै वाळै यीशु कौइ बौरि चँड़ै थै।



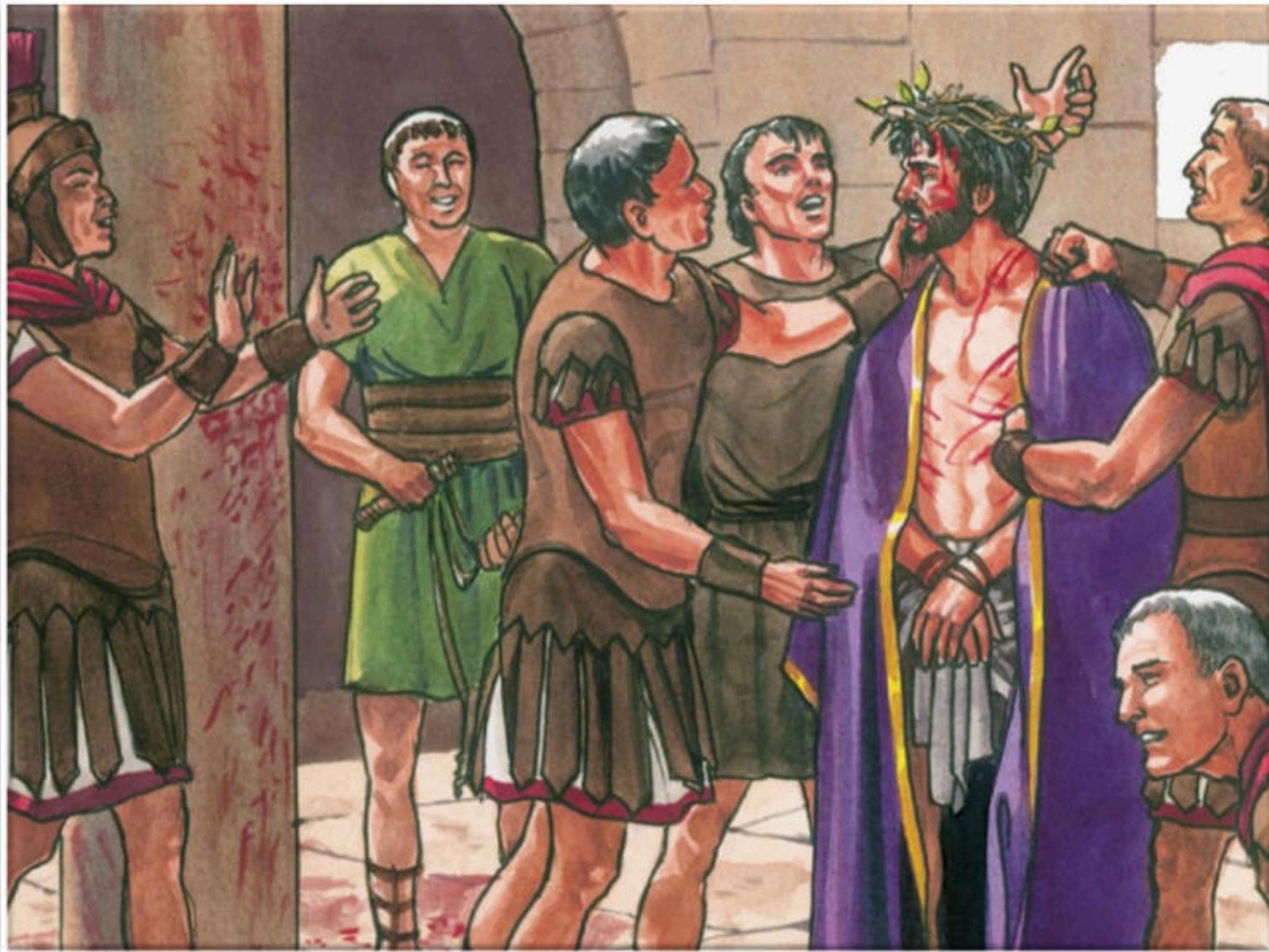
याजक औज़ि नियम कानुण शिकाणै  
वाळै यीशु दि बौरि दोश लाण थै। यीशु रै  
बारा चेलै माझं कौइ यऊदा नौऊं रौ एक  
चेलौ थौ। तिणी थोड़ै पौइशाऊं री लालच  
दि आशियौ यीशु पौकड़ाओ



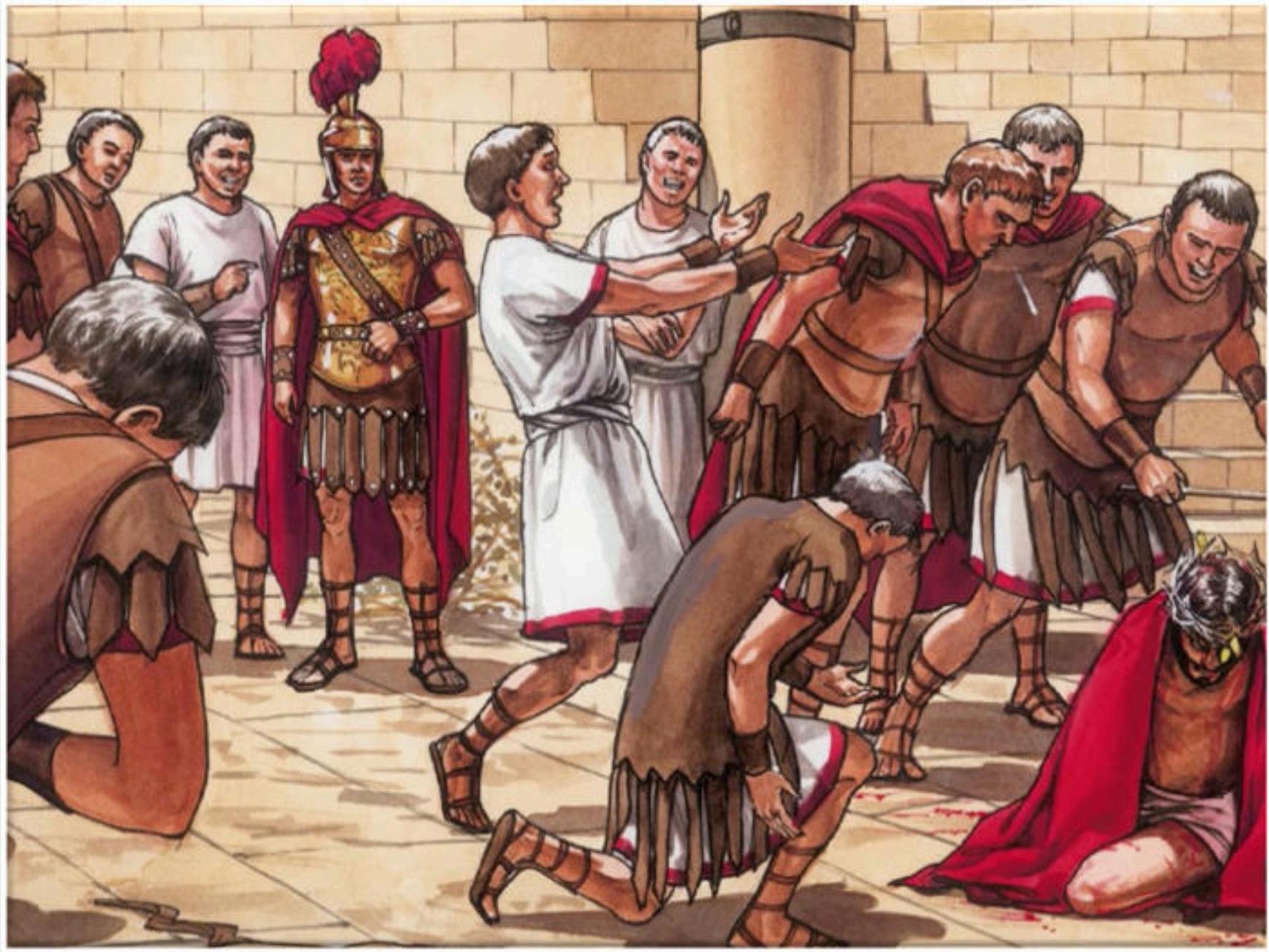
सिपाइउँ यीशु पिलातुस काइ गिणौ।  
तेट्कै लोगु यीशु दि बौरि जुठै बानै ला।  
पिलातुसेइ याजक औजि नियम कानुण  
शिकाणै वाळौउँ आरि बोलौ, कि मुँइ  
एसदि कोइ दोश ना पाओ।



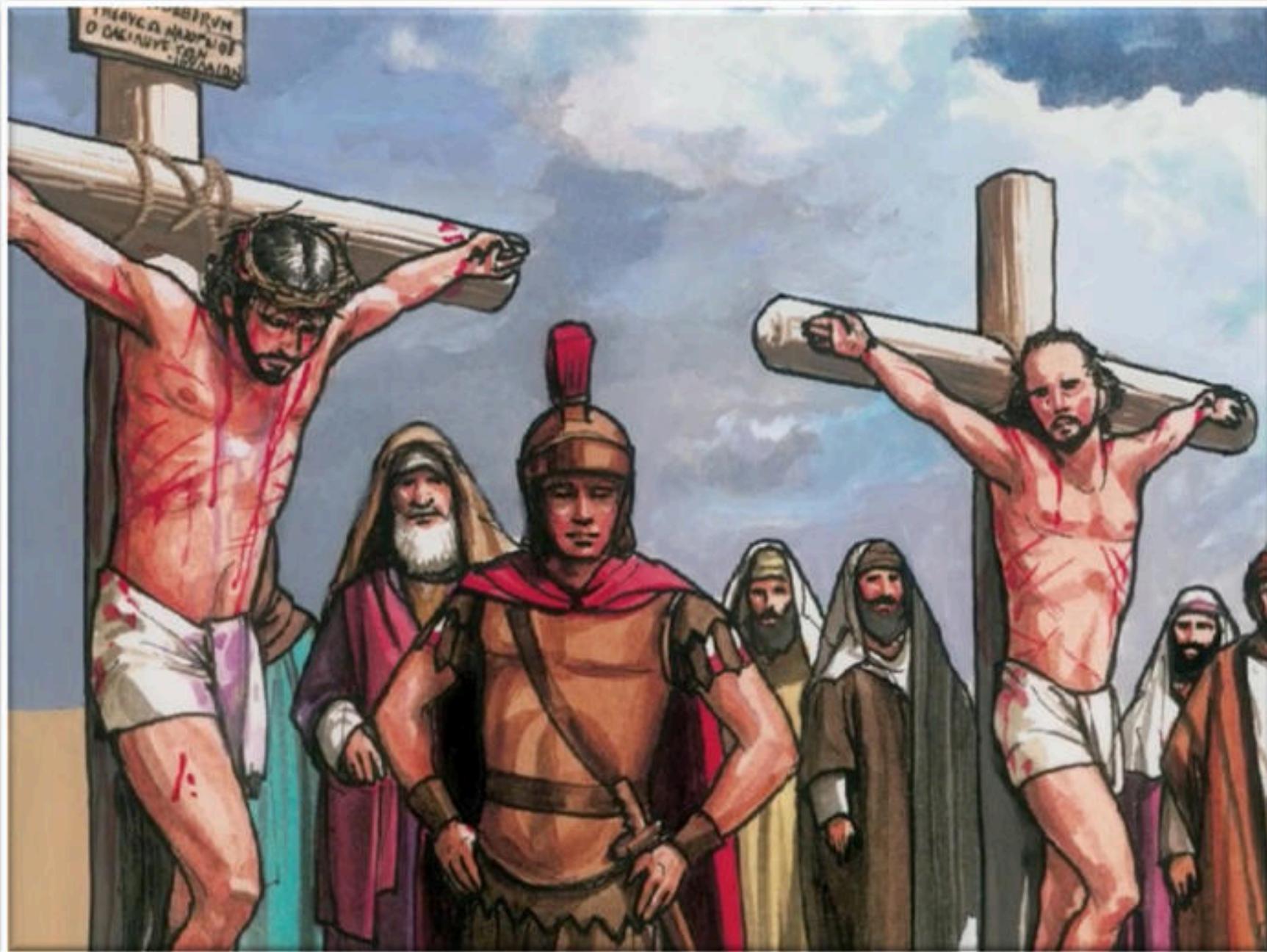
ਪਿਲਾਤੁਸ ਧੀਸ਼ੁ ਦਿ ਕੋਡੈ ਲਾਇਯੈ ਪੋਰੁ  
ਛੋਡਨੈ ਚਾਂਏ ਥੈ। ਪਰ ਲੋਗੁ ਲੌਲਿਯਾਇਯੈ  
ਬੋਲੋ ਕੀ ਏਸ ਕ੍ਰੂਸ ਪਾਰੈ ਟਾਂਗੋ। ਤੈਥੈ  
ਪਿਲਾਤੁਸੇਈ ਧੀਸ਼ੁ ਲੋਗੁ ਰਿ ਇਚਛਾ ਦਿ ਛੋਡੀ  
ਦੈਅੈ।



तैबै सिपाइउँ यीशु दि कोडै लायै औज़ि  
बैज़नी जुड़के बिड़ाए। तैबै यीशु रै मुन्डेदि  
कान्डै रौ मुकुट लाओ। तैबै यीशु बौरि  
पिटौ औज़ि मुँए दि थूकियौ यीशु रौ  
मौज़ाक उड़ाओ।



ਤੇਤਬਾਸਿਧੈ ਸਿਪਾਇਤੁੰ ਧੀਸ਼ੁ ਗੁਲਗੁਤਾ ਡਾਨਡੈ  
ਮਾਇਂ ਗਿਣਾਂ। ਤੇਤਕੇ ਸਿਪਾਇਤੁੰ ਧੀਸ਼ੁ ਕ੍ਰਸਦਿ  
ਟਾਂਗਾਂ ਆਂਝਿ ਤੇਸਰੇ ਜੁੜਕਾਉਂ ਖਿ ਚਿਟ੍ਟੀ  
ਪਾਇ। ਆਂਝਿ ਤੇਤਬਾਸਿਧੈ ਧੀਸ਼ੁ ਰੈ ਜੁੜਕੈ  
ਚਿਟ੍ਟੀ ਰੈ ਇਸਾਬ ਦਿ ਆਪਸ ਮਾਇਂ ਕਾਂਟੈ।

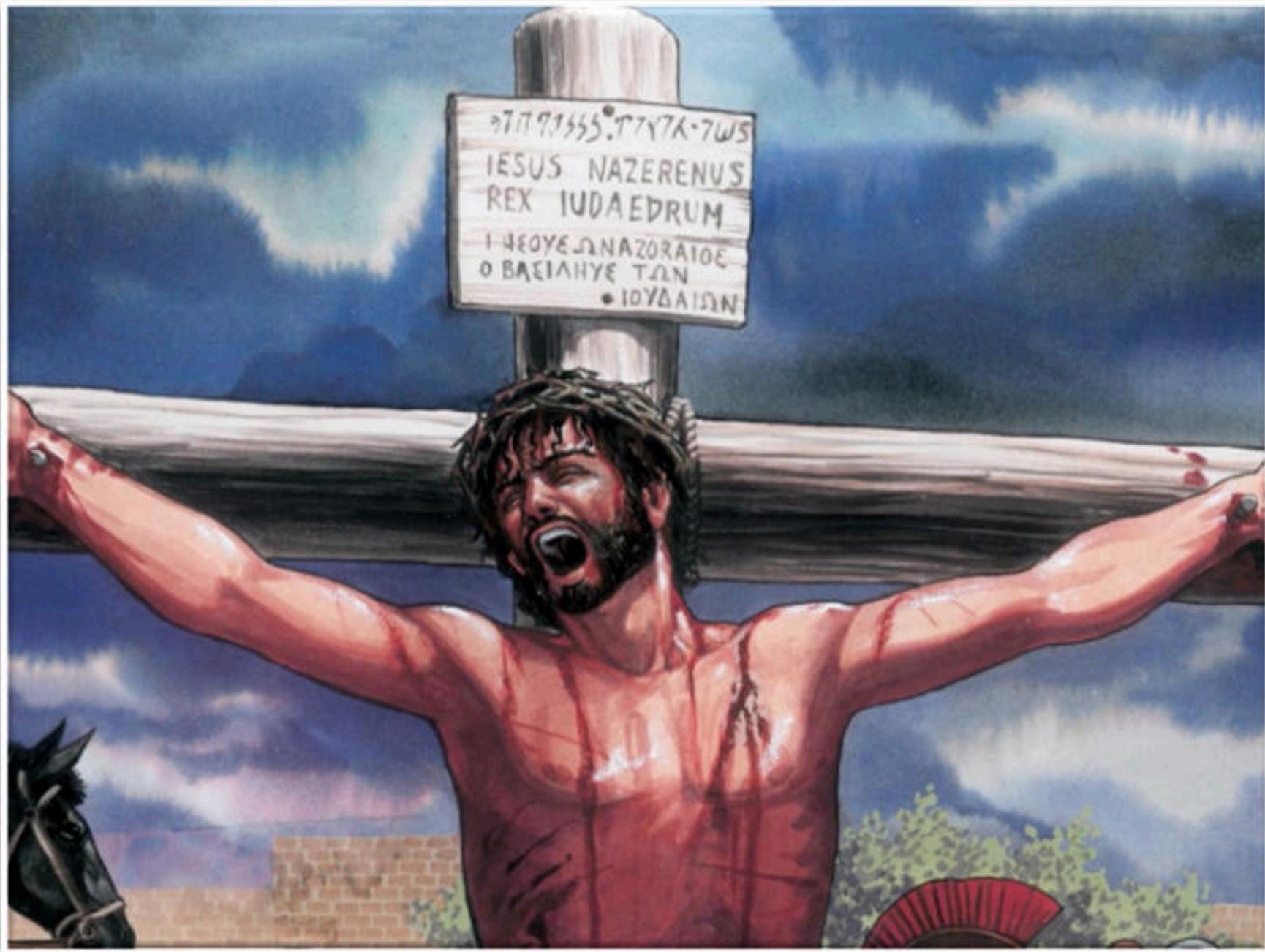


तैबै सिपाइउँ यीशु आरि बोलौ, जौ तू  
मसी तै तू आफु बौचँ। पर जेती तेत्के  
लोग थै, सै सारै जौण तेसरो मौज़ाक रौयै  
थै उडान्दै लागी ।



ਤੈਥੈ ਤਿੱਤੁੰ ਕੁਸਦਿ ਦੋਸਹਪਤ੍ਰ ਲਾਓ, ਜਿਨਦੈ  
ਲਿਖਵਾਨਦੌ ਥੋ, “ਏਕੁ ਯਤਦਿੱਤੁੰ ਰੈ ਰਾਜਾ”।

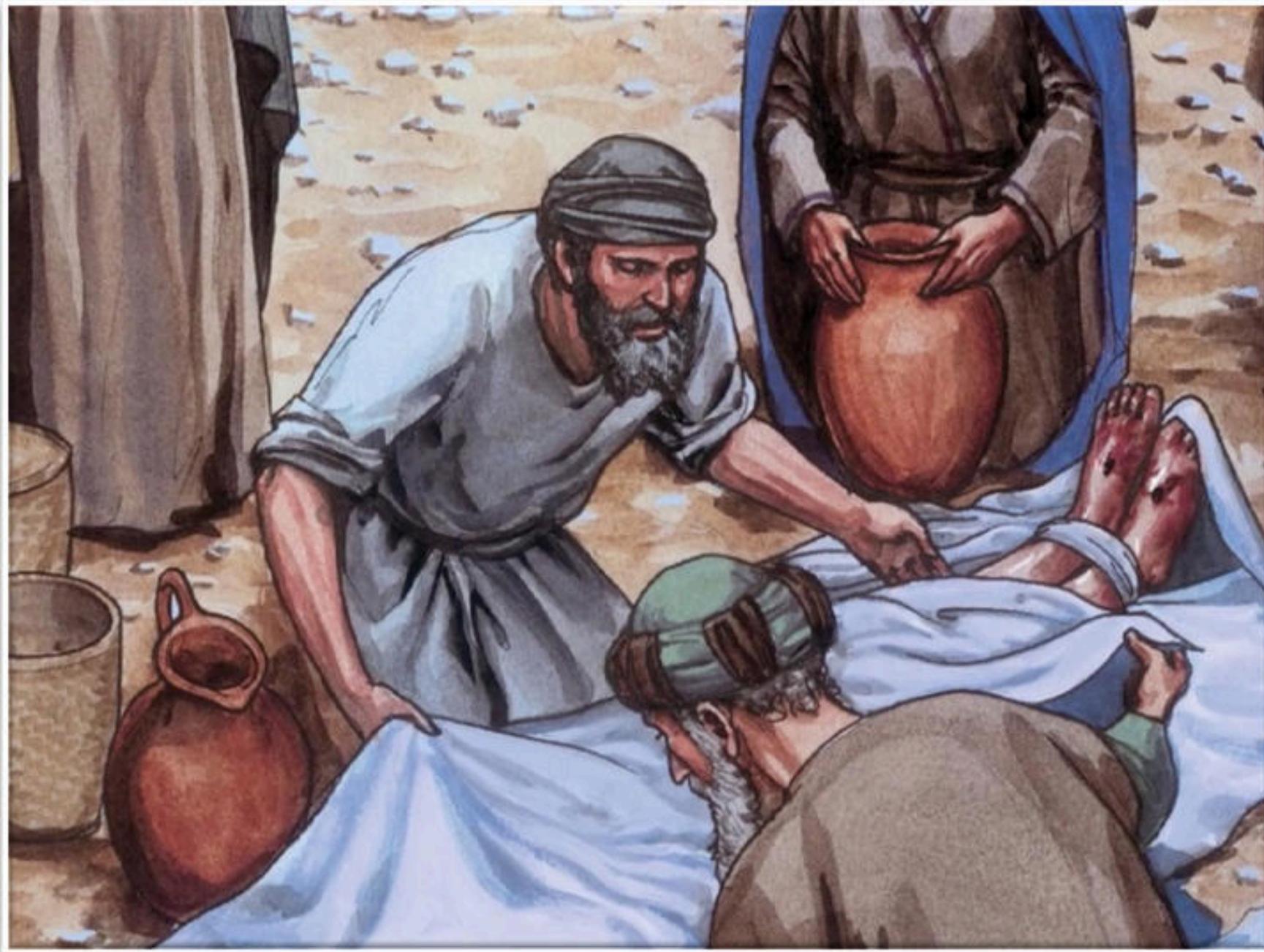
ਸੇਜੈ ਬੌਤੇਦਿ ਦੁਜੈ ਪੌਰੇ ਕੌਇ ਚੀਜੈ ਪੌਰੇ  
ਜੌਤੁੰ ਪੁਰੈ ਦੇਸਾ ਦਿ ਇਨਾਰੋ ਪੌਡੌ।



चीजै पारे रे बौत्तेदि यीशुइ ज़ोरे कौइ  
बोलौ, “ए पिता! ताई आउँ केलाइ  
छोड़ौ।” एशौ बोलियौ थोड़े बौत्ते बासियै  
यीशुइ दुजाळियै बोलौ। ए पिता! आउँ  
आपडी आत्माइ तरै आथे दि देऊ एशौ  
बोलियौ तिणी आपडौ पौराण छोड़ै।



आौजि परमेश्वर रौ भवन रौ पौरदौ माथै  
कौइ तौळ ज़ौउँ चिरुवौ। दौरति इली  
आौजि एक बौडौ बुँइच्चेळ उवौ। जौ  
सिपाइउँ सेउ देखौ तैबै तिउँ बोलौ, एऊ  
तै छौइखि परमेश्वर रौ बेटा थौ।



ਜੌ ਬਿਧਾਲਕੇ ਤਵੈ ਤੈਬੈ ਯੁਸੂਫ ਨਾਉੰ ਰੈ  
ਏਕ ਮਾਣ੍ਹ ਥੈ, ਜ੍ਰਣਜ਼ੌ ਧੀਸ਼ੁ ਰੈ ਚੇਲੈ ਥੈ।  
ਤਿਣੀ ਪਿਲਾਤੁਸ ਕਾਇ ਡੇਝਧੈ ਧੀਸ਼ੁ ਰਿ ਲਾਸ਼  
ਮਾਂਗੀ। ਧੀਸ਼ੁ ਰਿ ਲਾਸ਼ ਚਾਦਰ ਦਿ ਲੈਪੇਟਿਯੈ  
ਨਾਇ ਕਬਰ ਦਿ ਥੈਇ।

## For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.



यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में व्यस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

,,,,,,,,,धन्यवाद,,,,,,,,,



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.